

आकाश

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

आकाश को व्योम कहा गया है अर्थात जो सबमें व्याप्त है, जो सर्वत्र फैला हुआ है। आकाश से परे किसी वस्तु की कल्पना करना सामान्य बुद्धि के लिए असंभव-सा है। इसे केवल कोई वैज्ञानिक ही गहराई से समझ सकता है। इस पूरे ब्रह्मांड में जो कुछ भी है, वह सब आकाश में ही समाहित है। पंचमहाभूत– पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश - इनमें सबसे स्थूल पृथ्वी है, फिर जल, अग्नि, वायु और अंत में सबसे सूक्ष्म आकाश है। वायु, अग्नि से भी अधिक सूक्ष्म है और आकाश इन सबमें सबसे सूक्ष्म तत्व है। आकाश के परे मन, बुद्धि, अहंकार और महत्तत्त्व हैं। यही है तत्त्वज्ञान- ब्रह्मांड के मूल सिद्धांत को जानना। जब तक आप ब्रह्मांड के इस सिद्धांत को नहीं जानते, तब तक आप अपने स्व, आत्मा को भी नहीं जान सकते। जब आप आकाश से भी परे जाते हैं, तो वह क्षेत्र अनुभव का क्षेत्र बन जाता है। पूरा अस्तित्व-लोक समूचा अनुभूति जगत आकाश के परे ही आरंभ होता है। प्राचीन ऋषियों ने द्रव्य-गुण-संबंध के विषय में बताया है- अर्थात पदार्थ और उसके गुणों के बीच का संबंध। इस विषय पर यह भी एक बड़ा रोचक विचार-विमर्श रहा है कि क्या गुण को पदार्थ से अलग किया जा सकता है, दार्शनिक निष्कर्ष यह निकला कि गुण को पदार्थ से अलग नहीं किया जा सकता। जैसे - क्या अग्नि से ताप और प्रकाश को अलग किया जा सकता है, यदि अलग कर दिया जाए, तो क्या वह अग्नि ही रहेगी, फिर यह प्रश्न भी उठता है कि गुण पहले आता है या पदार्थ, यह संपूर्ण दर्शन अत्यंत गूढ़ और रोचक है। जब आप और भी सूक्ष्म स्तर पर जाते हैं, तो वह क्षेत्र परमव्योम कहलाता है- यस्मिन् देवाधि विश्वे निषेदुः -अर्थात जहाँ सभी देवी-देवता निवास करते हैं। और कहा गया है- यत्तन्न वेद यति वान वेद - अर्थात यदि कोई व्यक्ति परमव्योम को नहीं जानता, ब्रह्मांड के मूल सिद्धांत को नहीं समझता, तो केवल वेद-मंत्रों को जान लेने से क्या लाभ स्वरूप उस परम आकाश की मूल गुणवत्ता है। इसका अंग्रेज़ी में पूरा अनुवाद संभव नहीं है। स्वरूप वही चेतना है। उसी स्वरूप से स्फुट– अर्थात विस्फोट होता है, जिससे स्वरित यानी सृष्टि की धारा बहती है और फिर साकार रूप में नाम और आकार के साथ यह सृष्टि प्रकट होती है। इस ब्रह्मांड में जितने भी करोड़ों-अरबों प्राणी हैं, वे सभी इसी स्वरूप से उत्पन्न हुए हैं।

आकाश के परे मन, बुद्धि, अहंकार और महत्तत्त्व हैं। यही है तत्त्वज्ञान- ब्रह्मांड के मूल सिद्धांत को जानना। जब तक आप ब्रह्मांड के इस सिद्धांत को नहीं जानते, तब तक आप अपने स्व, आत्मा को भी नहीं जान सकते। जब आप आकाश से भी परे जाते हैं, तो वह क्षेत्र अनुभव का क्षेत्र बन जाता है।

एनसीपी के विलय पर सुप्रिया सुले ने लगाया फुलस्टॉप

कहा-मेरा भाई अब नहीं रहा तो मर्जर की बातें क्या करना

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले कई दिनों से एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की चर्चा चल रही है. नेताओं की मुलाकातों और बयानों के बीच विलय को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे. अब एनसीपी (शरद पवार) गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है. उन्होंने साफ कहा कि अजित पवार के रहते दोनों गुटों के विलय पर बातचीत चल रही थी. यहां तक कि इसकी तारीख भी तय हो गई थी. लेकिन भाई के निधन के बाद उनकी तरफ से इस विषय पर पूर्णविराम लग गया.

इस दौरान सुप्रिया सुले ने हाथ जोड़कर कहा कि वह अब विलय के मुद्दे पर कोई बात नहीं करना चाहतीं. उन्होंने कहा, मेरा भाई अब नहीं रहा तो मर्जर की बातें क्या करना. उनका कहना था कि अजित पवार के जाने के बाद यह विषय उनके लिए खत्म हो गया है. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि आगे इस बारे में सवाल पूछे जाने पर भी वह कोई जवाब नहीं देंगी.

सुप्रिया सुले ने माना कि अजित पवार के साथ दोनों गुटों को फिर से एक करने पर बातचीत हुई थी. यह कोई नई चर्चा नहीं थी. दोनों पक्षों के



बीच इस दिशा में बात आगे बढ़ी थी और तारीख भी तय हो गई थी. हालांकि, उन्होंने अपने बयान में विलय की तय तारीख का खुलासा नहीं किया.

दरअसल, जुलाई 2023 में अजित पवार ने एनसीपी से अलग होकर अपना गुट बना लिया था. इसके बाद पार्टी दो हिस्सों में बंट गई. एक तरफ शरद पवार का गुट रहा, जबकि दूसरी तरफ अजित पवार का गुट था. बीते कुछ समय से दोनों के फिर साथ आने की चर्चा तेज थी. हाल के दिनों में दोनों पक्षों के नेताओं की मुलाकातों ने इन अटकलों को और हवा दी.

सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि अजित पवार गुट की तरफ से उन्हें विलय को लेकर कोई फोन, मैसेज या ईमेल नहीं आया है. उन्होंने साफ किया कि उनकी जानकारी में इस बारे में कोई नया प्रस्ताव भी नहीं है. ह्वट्स में शामिल होने को लेकर भी कोई बातचीत नहीं हुई है. इस दौरान उन्होंने संजय राउत के बयान और उनके लेख पर भी प्रतिक्रिया दी. सुले ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है. संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं. उन्हें जो सही लगता है, वह लिख सकते हैं. परिसीमन को लेकर सुप्रिया सुले ने बताया कि सरकार ने उन्हें कश्मीर से कन्याकुमारी तक लोकसभा सीटों में 50 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया था. इस प्रस्ताव के साथ महिला आरक्षण पर भी उन्होंने समर्थन जताया था.

ऐश्वर्या की फ्लॉप फिल्म का वो गाना, जिस पर 23 साल से झूम रहे लोग



नयी दिल्ली (एजेंसी)। ऐश्वर्या राय की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असरदार हो या न हो, लेकिन 90 और 2000 के दौर में उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे गाने दिए हैं, जिन्हें आज भी सेलिब्रेट किया जाता है। 23 साल पहले सिंगर अल्का याग्निक ने पूर्व मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या की बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप फिल्म के लिए एक ऐसा ही गीत गाया था, जो कई सालों तक रेडियो की शान रहा। आज भी जब ये गीत बजता है तो जेन-जी भी खुद को इसकी ताल पर डांस करने से नहीं रोक पाते हैं। कौन सा है सुपरफ्लॉप फिल्म का वो गीत, चलिए बताते हैं। ऐश्वर्या राय की फ्लॉप फिल्म के जिस सुपरहिट गाने का जिक्र हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह साल 2003 में रिलीज हुई रोमांटिक थ्रिलर फिल्म थी। जिसमें अर्जुन रामपाल, प्रियांशु चटर्जी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। मूवी का टाइटल था दिल का रिश्ता। नरेश मल्होत्रा के निर्देशन में बनी ये फिल्म तो हिट नहीं हुई, लेकिन इसका गाना दैया-दैया रे बहुत पॉपुलर हुआ था।

वीरता पुरस्कार की राशि और वार्षिकी होगी दोगुनी

अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण, शहीद के परिवार को 50 लाख

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ के कुलवंत सिंह स्टेडियम में आयोजित पूर्व सैनिक सम्मान रैली को संबोधित करते हुए सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार की योजनाओं का ब्योरा दिया। उन्होंने शहीद सैनिकों के परिवारों को मिलने वाली अनुग्रह राशि 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किए जाने, अग्निवीरों को विभिन्न विभागों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार के अवसरों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों और उनके परिवारों की चिंता करना किसी भी सरकार का पहला दायित्व होना चाहिए। वर्दीधारियों का सम्मान डबल इंजन सरकार का संकल्प है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले शहीद सैनिकों के परिवारों को 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाती थी। प्रदेश सरकार ने इसे बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है। उनके अनुसार, अब तक 150 शहीद परिवारों को 59 करोड़ 50 लाख रुपये की सहायता दी जा चुकी है। वर्ष 2018 में शहीद के आश्रित को सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था भी लागू की गई। मुख्यमंत्री ने शहीदों की स्मृति में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 200 स्मारक, 61 स्मृति द्वार और 78 प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इसके अलावा 21 विद्यालयों, 48 सड़कों और तीन स्टेडियम का नामकरण शहीद सैनिकों के नाम पर किया गया है। मुख्यमंत्री ने अग्निवीरों के लिए लागू आरक्षण व्यवस्था का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सेना में सेवा पूरी करने के बाद लौटने वाले अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस, कारागार विभाग, वन विभाग और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है। सीएम ने कहा कि सेना के अनुशासन और प्रशिक्षण से तपकर आने वाले नौजवान उत्तर प्रदेश पुलिस और शासन की ताकत बनेंगे। उन्होंने पूर्व सैनिकों के अनुभव को भी प्रदेश के विकास में उपयोगी बताया।

मेरठ में सीएम योगी के बड़े एलान



सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2021 में समूह ख के पदों पर पूर्व सैनिकों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। उनके मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 647 पूर्व सैनिक सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। वहीं, सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से वर्तमान में लगभग 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पावर कॉरपोरेशन, मेडिकल कॉलेजों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी पूर्व सैनिकों को सौंपने का निर्णय लिया गया है। नगर निकायों के प्रवर्तन दलों में भी पूर्व सैनिकों की तैनाती की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश सरकार की सैनिक कल्याण योजनाओं के तहत 96 करोड़ 78 लाख रुपये की सहायता दी गई है। सैनिक पुनर्वास निधि से 15 हजार से अधिक लाभार्थियों को 115 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों और उनकी पत्नियों को छह हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। कारगिल के शहीदों की वीर नारियों और माता-पिता को भी प्रदेश सरकार की ओर से मासिक पेंशन दी जा रही है। किर्की और मोहाली के पैराप्लेजिक केंद्रों में उपचार करा रहे प्रदेश के 100 प्रतिशत दिव्यांग सैनिकों की वार्षिक सहायता बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपये कर दी गई है।

लखनऊ में वकीलों का प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ रहे अधिवक्ताओं ने पुलिस की एक बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद कुछ वकील दूसरी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। अधिवक्ताओं का पैदल मार्च कैसरबाग स्थित न्यायालय परिसर से शुरू हुआ। यहां से परिवर्तन चौक और अटल चौक होते हुए वकील विधानसभा की ओर बढ़े। प्रदर्शन को प्रदेश के कई अधिवक्ता संगठनों का समर्थन मिला है। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस कानून की जरूरत है। वहीं, विधानसभा घेराव के ऐलान को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। हजरतगंज समेत मार्च के पूरे रास्ते पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कई थानों की पुलिस के साथ अतिरिक्त सुरक्षा बल भी लगाया गया। बैरिकेडिंग टूटने के बाद पुलिस प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने में जुटी रही। कैसरबाग से परिवर्तन चौक, हजरतगंज चौराहे और जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा तक लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़ डाली। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी वकीलों के बीच जमकर धक्कामुक्की हुई।



सभी देशवासियों को
छठ महापर्व की **मंगलमय**
बधाई एवं शुभकामनाएं।
छठी मैया सभी के जीवन में
सुख शांति, समृद्धि एवं
खुशहाली प्रदान करें।
इंदु देवी
महापौर, आरा नगर
निगम, आरा, भोजपुर

पाकिस्तान की साजिश का खुलासा

खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई, पंजाब चुनाव पर रख रहा बारीक नजर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए कई बैठकें आयोजित की जा सकें। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, इससे इन आयोजनों को एक तरह की वैधता मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से कोई सवाल भी नहीं उठाया जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान का मुख्य ध्यान उन दबाव समूहों



के सदस्यों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। इसके साथ ही खालिस्तान के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए सिख प्रवासियों को भी पाकिस्तान बुलाया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान का इन लोगों को देश में लाने के लिए कानूनी रास्ता चुनना यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने खालिस्तान और कश्मीर, दोनों ही मुद्दों को वैध ठहराना चाहता है। इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है, क्योंकि भारत ने करतारपुर कॉरिडोर को फिलहाल निलंबित कर रखा है, जिससे भारतीय तीर्थयात्री सीमा पार नहीं जा पा रहे हैं। इसी वजह से पाकिस्तान अब विदेशों में रहने वाले उन सिखों से संपर्क कर रहा है, जो कॉरिडोर खुला होने की स्थिति में भारत की ओर से पाकिस्तान आते। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसी रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत दुबई, कोलंबो, कुआलालंपुर और इस्तांबुल के रास्ते सिख प्रवासियों और तथाकथित कश्मीर समर्थक कार्यकर्ताओं को पाकिस्तान लाया जा सके। इन लोगों को पाकिस्तान लाने के लिए विशेष आव्रजन (इमिग्रेशन) इंतजाम किए गए हैं।

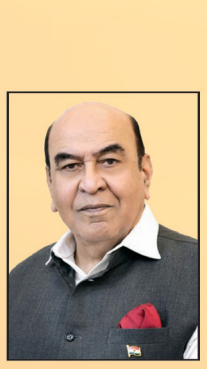

सत्यमेव जयते
राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

संदेश

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

सूर्योपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर मैं समस्त बिहारवासियों व देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें देता हूँ।

छठ पूजा सादगी और पवित्रता का त्योहार है, जो हमें प्रकृति के साथ गहराई से जोड़ता है। पूरी श्रद्धा, भक्ति और निष्ठा के साथ पवित्रतापूर्वक मनाया जानेवाला यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और जीवन मूल्यों को सहेजने तथा आत्मशुद्धि, मन की निर्मलता और जीवन में अनुशासन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। यह हमारी लोकपरंपरा की वह अमूल्य धरोहर है, जिसमें आस्था, प्रकृति और लोकजीवन का सहज समन्वय दिखाई देता है।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और नदी घाटों एवं जलाशयों पर आवश्यक सावधानियाँ बरतें, ताकि यह पर्व खुशी और उल्लास के साथ सुरक्षित रूप से मनाया जा सके।

मेरी कामना है कि भगवान सूर्यदेव हम सबके जीवन में नयी ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करें तथा सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करें।



PR No.- 015419 (Governor Secretariat) D. 2026-27

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

होर्मुज : बारूदी सुरंगों का जाल, टैंकर में लगी आग

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में स्थित प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने की टैंकरों को चेतावनी दी है। ईरानी दावों के मुताबिक, प्रतिबंधित रास्ते से गुजरने की कोशिश कर रहे तेल टैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंगों की चपेट में आकर आग का शिकार हुए। ईरान ने जहाजों को अपने ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से समन्वय और निर्धारित नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। वहीं, अमेरिका और इज़राइल के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्रीय संघर्ष का प्रमुख केंद्र बन गया है। दूसरी ओर, बहरीन में अमेरिकी रडार सिस्टम को नष्ट करने के ईरान के दावे को सेंटकॉम ने खारिज किया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए के अनुसार, नौसेना ने बताया कि टैंकर ने प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र से गुजरते समय अपनी ट्रैकिंग और पहचान प्रणालियां बंद कर दी थीं। नौसेना ने इस क्षेत्र को असुरक्षित और प्रतिबंधित घोषित किया है। शनिवार को जारी बयान में चेतावनी दी गई कि यदि कोई अन्य टैंकर इस क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो उसे भी इसी तरह के परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। नौसेना ने जहाज मालिकों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आश्वासनों पर भरोसा करके अपनी संपत्ति खतरे में डालने का आरोप लगाया।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी नौसेना के जनसंपर्क विभाग ने कहा, यह अफसोस की बात है कि टैंकर मालिक अन्य लापरवाह जहाजों के हश्र से कोई सबक नहीं ले रहे हैं। वे अमेरिकी राष्ट्रपति की बेतुकी बातों पर भरोसा करके अपनी पूंजी को बारूदी सुरंगों वाले युद्ध क्षेत्र में भेज रहे हैं और उसे आग में झोंक रहे हैं। वहीं, कुछ घंटे पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने भी दावा किया था कि दो तेल टैंकर बिना अनुमति के दक्षिणी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान वे नौसैनिक बारूदी सुरंगों की चपेट में आ गए, जिससे उनमें विस्फोट हुआ और आग लग गई। ईरानी सरकारी प्रसारक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों जहाजों ने पकड़े जाने से बचने के लिए अपने रडार और ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम बंद कर दिए थे।

ईरानी नौसेना बोली- प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसे तो यही होगा

पंजाब में युवाओं को मिलेगा करोड़पति बनने का मौका

सीएम भगवंत मान ने लॉन्च किया 'पंजाब दा करोड़पति' पोर्टल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के युवाओं को अब अपनी जानकारी और तैयारी के दम पर करोड़पति बनने का मौका मिलेगा. मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 'पंजाब दा करोड़पति' पोर्टल लॉन्च किया है. इस योजना के तहत 15 से 30 साल तक के युवा हिस्सा ले सकेंगे. इसमें एक करोड़ रुपये का इनाम रखा गया है, जबकि चार रनर-अप को भी 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे.



मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वर्चुअल घोषणा के दौरान बताया कि 15 से 30 साल की उम्र के युवा इस योजना के लिए पोर्टल के जरिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. इसके बाद प्रतियोगिता के अलग-अलग राउंड ऑनलाइन आयोजित किए जाएंगे. इन राउंड में सवालों के जवाब देने होंगे.

आगे की प्रक्रिया में पंजाब से जुड़े विषयों पर फिजिकल परीक्षा भी होगी. इस प्रतियोगिता में पंजाब के इतिहास, भूगोल और दूसरे महत्वपूर्ण विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे. मुख्यमंत्री के मुताबिक, सवालों का स्तर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों के बराबर होगा. यानी इसमें हिस्सा लेने वाले युवाओं को अपनी सामान्य जानकारी के साथ-साथ पढ़ाई और तैयारी पर भी ध्यान देना होगा. भगवंत मान ने कहा कि 'पंजाब दा करोड़पति' को लोकप्रिय टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर आयोजित किया जाएगा. इसका मकसद युवाओं को अपनी जानकारी बढ़ाने और पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है. प्रतियोगिता के विजेता को एक करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि चार अन्य प्रतिभागियों को 10-10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा.

